ब्र.कु. शिवानी बहन,जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ

दूसरों की कमियों को देखकर अपनी विशेषताएं न त्यागें...

सोचना आदत बन जाता है। पहली बात तो यह कि किसी का संस्कार गलत नहीं है। वो हमारे से अलग है। अपने नज़रिए से वो बिल्कुल सही हैं। हमें उनके अंदर जो संस्कार उभारना है, वही सोचना है। वो संस्कार उनके अंदर उभर आएगा।

अपेक्षा रखने का मतलब है ये चाहना

सारा दिन हम जो कर्म करते हैं, अपने संस्कारों के द्वारा करते हैं। अपनी क्षमताओं के माध्यम से करते हैं। लेकिन हम ये अपेक्षा रखते हैं कि दूसरे के अंदर भी ऐसा ही संस्कार होगा, और अगर नहीं होता है तो हम हर्ट हो जाते हैं। और इससे भी जरूरी यह है कि इस फेर में हम अगली बार

अगर हम दूसरों के गुस्से के संस्कार को देखते रहेंगे और हम कहेंगे कि वो गुस्सा करते हैं- तो इससे सिर्फ उनका संस्कार नहीं बढ़ता, गुस्से का चिंतन कर-कर के हमारा भी संस्कार बढ़ जाता है। सबसे पहली चीज़ कि दूसरों के संस्कारों को कभी गलत नहीं कहना। दूसरी चीज कि उनके संस्कार का अपने मन में चिंतन नहीं करना। और तीसरी चीज, आत्मा पर चिंतन करना और सकारात्मक ऊर्जा प्रेषित करना। यानी दुआएं देना। हम दूर-दूर जाते हैं संत-महात्माओं के पास कि हमें आशीर्वाद दो, लेकिन हम खुद सारा दिन एक-दूसरे को क्या दे रहे हैं?

आपका हर विचार, हर शब्द ब्लेसिंग हो सकता है। लेकिन अगर ध्यान नहीं रखा तो हमारे विचार और शब्द दूसरों के लिए आशीर्वाद का विपरीत भी बन जाते हैं। और ऐसा करते-करते हमारे लिए निगेटिव कि लोग वो करें, जो मुझे सही लगता है। हम लोगों से अपेक्षाएं भी रखते हैं तो अपनी क्षमता से रखते हैं। जबकि अगर अपेक्षा रखनी है तो उनकी क्षमता से रखनी होगी। अगर किसी को खाना बनाना अच्छा लगता है और बहुत अच्छा खाना बनाने की उनकी क्षमता है और मैं उनके घर चली गई, तो मैंने तो उनसे नहीं बोला था पांच पकवान बनाने के लिए। उन्होंने अपनी क्षमता से बनाए। हमने खाया, बहुत मजा आया। अगले हफ्ते वो मेरे घर आए। तो मैंने कहा, चाय तो पीकर आए होंगे, 6 बज गए हैं। फिर तो खाने में कोई रुचि लेंगे ही नहीं। जब उन्होंने पांच चीजें बनाई थीं तो अपनी क्षमता से बनाई थीं, लेकिन अगर उन्होंने ये अपेक्षा रखी कि जब वो मेरे घर आएंगे तो मैं भी उतनी ही चीजें बनाऊंगी और नहीं बनाई, तो वो हर्ट हो जाएंगे। कहेंगे, इन्होंने मेरी बेइज़्ज़ती की, मेरे लिए कुछ बनाया ही नहीं। अपना संस्कार भी छोड़ देते हैं। ये कलियुग इसीलिए बना है ऐसा। किसी एक ने गुस्सा किया होगा पहली बार तब दूसरे ने कहा इसने मेरे साथ ऐसे बात की, मैं भी ऐसे ही बात करूंगा। तो दूसरे ने किया। उन दोनों ने किया तो उनको देखकर पांच ने किया। पांच ने किया फिर पांच सौ ने किया। आज यह स्थिति है कि गुस्सा करना नॉर्मल लगता है।

ये अपेक्षा न करें कि जो मेरी विशेषता है, वो दूसरे में भी हो। अपनी विशेषता नहीं छोड़नी है। लेकिन अगर हम दूसरों को देख-देखकर अपनी विशेषताएं छोड़ते जाएंगे तो क्या होगा? आजकल कौन टाइम पर आता है, मुझे भी टाइम पर नहीं जाना। आजकल कौन सच बोलता है, क्या जरूरत है सच बोलने की? नैतिक होने से क्या फायदा, आजकल तो बहुत कुछ चल रहा है? यही दूसरों को देख-देखकर अपनी विशेषताएं छोड़ते जाना है।

पुणे-महा.। माननीय उपमुख्यमंत्री,पूर्व मुख्यमंत्री तथा शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।

अलीराजपुर-म.प्र.। महाशिवरात्रि महोत्सव पर शिवध्वजारोहण करने के पश्चात् जोबट विधायक सेना पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष मक्कू परवाल, नगर सेठ पिंटू सेठ, ब्र.कु. सानिया तथा अन्य सभी भाई-बहनों को प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. माधुरी।

नवापारा राजिम-छ.ग.। महाशिवरात्रि मेले पर आयोजित संत सम्मेलन के अंतर्गत आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद जी महाराज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रुक्मणि दीदी,अकोला, ब्र.कु. पुष्पा दीदी एवं राजयोगी ब्र.कु. नारायण,इंदौर। साथ हैं महामंडलेश्वर शैलेशानंद जी महाराज,सूरत।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर त्रिमूर्ति भवन में 'आध्यात्मिकता द्वारा सनातन संस्कृति की रक्षा' विषय पर आयोजित संत सम्मेलन में राजयोगिनी ब्र.कु. रुक्मिणि दीदी,महा., स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा दीदी, राजयोगी ब्र.कु. नारायण,इंदौर, ब्र.कु. आशीष, विधायक रोहित साहू, गुरु सुमरिन जी,राजनांदगांव, महामंडलेश्वर अखिलेश जी महाराज, प्रेमानंद जी महाराज, स्वामी अखिलेश्वरानंद जी की उपस्थिति रही।

अमरावती-महा.। होटल महफिल इन में व्यवसायियों के लिए 'व्यवहार में सफलता के महामंत्र' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सीता दीदी, ब्र.कु. डॉ. सचिन परब,मुंबई तथा अन्य अतिथिगण।

सिंगरौली-विंध्यनगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व तपोवन कॉम्प्लेक्स सेवाकेन्द्र द्वारा नार्दर्न कोलफिल्ड लिमिटेड निगाही क्षेत्र के ऑडिटोरियम में, अमलोरी एवं दुधीचुआ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. हरीश,राष्ट्रीय संयोजक,प्रशासक प्रभाग,माउंट आबू। मौके पर ब्र.कु. मंजू बहन,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका, ब्र.कु. शिवाजी,अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक,प्रशासक प्रभाग, कोलफील्ड लिमिटेड निगाही क्षेत्र के जनरल मैनेजर राजेंद्र वर्मा, अमलोरी के जीएम आलोक कुमार, दुधीचुआ के जीएम विनोद कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

छोटा उदेपुर-गुज.। जयपुर में मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा स्थित सिचाम ऑडिटोरियम में 10वें राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव - 2025 अवॉर्ड समारोह में डॉ. ब्र.कु. मोनिका को आदिवासी समाज की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'रानी लक्ष्मीबाई समर्पण समाज गौरव - 2025' से सम्मानित करते हुए समर्पण समाज गौरव संस्था के अध्यक्ष डॉ. दौलत राम मालिया तथा अन्य।

बैतूल-म.प्र.। महाशिवरात्रि उपलक्ष्य पर भाग्य विधाता भवन में आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा शिविर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बाबा मावोड़े, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल भारत भारती के संचालक डॉ. अनिल मालवीय, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य नागेश पवार, वरिष्ठ नेचुरोपैथी डॉ. रमेश टवानी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. प्रताप तथा अन्य बहनें।

तुमसर-महा.। त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष एवं नगरसेवकों के स्वागत समारोह में सम्बोधित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ललिता बहन। साथ मंचासीन हैं ब्र.कु. ललित, नगराध्यक्ष सागर गभने एवं प्रतिष्ठ भाई।

शेगांव-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से माननीय ज्योति ताई खेडकर,जज,फलटन,जिला सतारा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सरदा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. अनीता व वैभव खेडकर,इनकम टैक्स ऑफिसर।

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर शिवध्वजा फहराने के पश्चात् प्रतिज्ञा करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. गीता, योग ट्रेनर डॉ. पवन मजावदिया, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दिलीप नलगे तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414172087
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹-720
Website: www.omshantimedia.org